!! आरती श्री साई गुरुवर की !!

आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

जाकी कृपा विपुल सुखकारी, दु:ख शोक संकट भय हारी, शिरडी में अवतार रचाया,
चमत्कार से जग हर्षाया, आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

कितने भक्त शरण में आए, सब सुख शांति चिरंतन पाए, भाव धरे जो मन में जैसा,
पावत अनुभव वो ही वैसा, आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

गुरु की उदी लगावे तन को, समाधान लाभत उस मन को, साईं नाम सदा जो गावे,
सो फल जग में शाश्वत पावे, आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

गुरुवासर करी पूजा सेवा, उस पर कृपा करत गुरुदेवा, राम कृष्ण हनुमान रूप में,
जानत जो श्रद्धा धर मन में, आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

विविध धर्म के सेवक आते, दर्शन कर इच्छित फल पाते, साईं बाबा की जय बोलो,
अंतर्मन में आनंद घोलो, आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

साईं दास आरती गावे, बसी घर में सुख मंगल पावे, आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की।

आरती श्री साई गुरुवर की, परमानंद सदा सुरवर की।

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

https://bhaktimargdarshan.com/

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी।
अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें।

Bhakti Margdarshan

Bhakti Margdarshan
SPIRITUAL JOURNEY